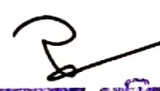


25/03/2026 पत्रावली पेशा पत्रावली में संलग्न जमाबंदी

संवत् 2074-77, विरासत नामान्तरण, राजस्व अभिलेखों, तहसीलदार रिपोर्ट व पूर्व की जमाबन्दियों आदि का अवलोकन किया गया। पार्थी के प्राणि पत्र अनुसार राजस्व ग्राम भुरीपाड़ा पं.ह. मोहम्मपुरा तहसील कुशालगढ़ में स्थित आराजी नंबर-124 का कुल रकब 1.4892 ईक्ट. कुल लगान 0.6700 रु जोकि पार्थी व अन्य सहयातेदार उमेश (ना.) वर्गरेह की संयुक्त खातेदारी व कलजे काइत की कृषि भूमि होकर वे भौतों पर काबिल हैं। पार्थी ने प्राणिपत्र में अपने का वास्तविक नाम अजीतसिंह पुत्र मेहा जाति भील बताया गया। पार्थी के प्राणिपत्र अनुसार पिता मेहा पुत्र वन्ता की मृत्यु के बाद वन्त नामान्तरण विरासत अजीतसिंह पुत्र मेहा के स्थान पर एतरा पुत्र मेहा दर्ज रिकार्ड किया गया। पार्थी के प्राणि अनुसार गानत नाम एतरा पुत्र मेहा के स्थान पर अजीतसिंह पुत्र मेहा दर्ज कर शुद्ध किया जाना न्यायवित्त में अति आवश्यक होना बताया।

पत्रावली को दर्ज रजिस्टर करने के बाद तहसीलदार कुशालगढ़ से जांच रिपोर्ट ली गयी। भूमिदारी तहसीलदार से प्राप्त जांच रिपोर्ट का अवलोकन करने पर पार्थी का अध्यापक होकर राजकीय सेग में होना बताया है, परन्तु पत्रावली में अजीतसिंह नाम से राजकीय (राज्य सरकार) से संबंधित कोई भी प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया। भूमिदारी तहसीलदार की जांच रिपोर्ट में स्पष्ट अनुशांषा भी नहीं की गयी है कि पार्थी का नाम शुद्ध किया जाना उचित है या नहीं। पत्रावली में पार्थी के द्वारा पत्रता रिद्ध करने हेतु सामान्य दरतावेज (आधार कार्ड, जेन कार्ड, दसवीं की मरिदीह) संलग्न है, जिसमें भी पार्थी के दरतावेजों में नाम भिन्न-भिन्न होना पाया गया। पत्रावली में संलग्न जमाबंदी का अवलोकन करने पर पाया गया कि प्राणि-फा में शुद्धि हेतु दिया गया नाम अजीतसिंह परिवार के किसी भी सदस्य के नाम से भिन्न (भेद) नहीं कर रहा है। पार्थी अपिता की मृत्यु के चार मह बाद 01-06-1981 से विरासत नामान्तरण से जमाबंदी संवत् 2055-58 से जमाबंदी संवत्

ख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
	<p>2074-77 तक प्राणी का नाम एतरा पुत्र मेहा चला या रहा है, प्राणी के कारा 44 वर्ष बाद संज्ञान में आना बताया जाने के पश्चात बिना स्पष्ट प्रमाण दिये प्रायनापत्र न्यायालय में लगाना जावे तथा वकील कारा इस संबंध में अदालत में भी कोई प्रमाण नहीं दिये जाने से तथा फ्रावली या लॉच रिपोर्ट में कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं मिलने तथा इन सभी कारणों को मद्देनजर रखते हुए एतरा पिता मेहा के रखाव पर अजीत सिंह पिता मेहा किया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है।</p> <p>अतः प्रायनापत्र में शुद्धि हेतु कोई स्पष्ट प्रमाण नहीं होने से इस प्रायनापत्र को खारिज किया जाता है फ्रावली में अन्य कोई कार्यवाही शेष नहीं होने से फ्रावली को आज दिनांक-25/03/2026 को फुसल शुमार कर नम्बर से कम किया जावे।</p> <p style="text-align: center;">  उपखण्ड अधिकारी दिल्ली न्याय विभाग (जज) </p>	